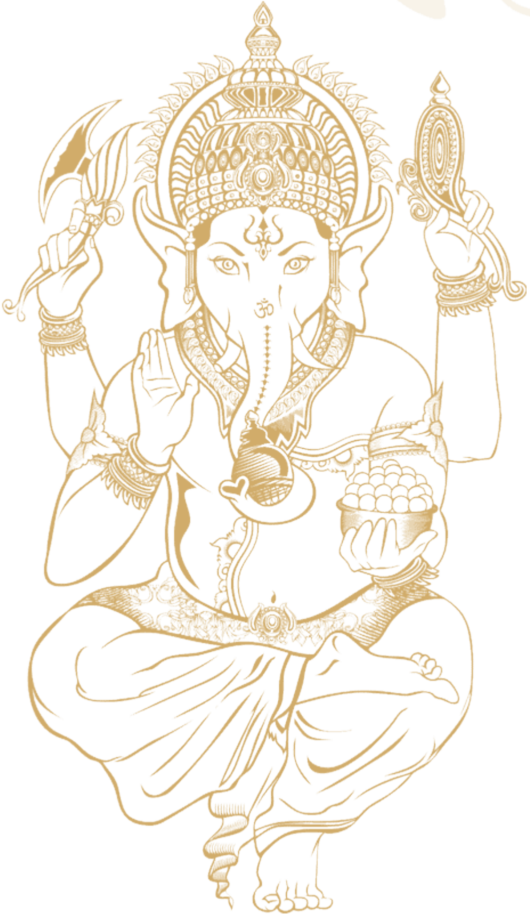

Hari om

31 Jul 2001

09:30 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121846707

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/07/2001**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**09:30:00 घंटे**
इष्ट	09:30:14 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:08:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:23 घंटे
साम्पातिक काल	05:44:16 घंटे
सूर्योदय	05:41:54 घंटे
सूर्यास्त	19:12:38 घंटे
दिनमान	13:30:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	14:09:06 कर्क
लग्न के अंश	02:39:24 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ऐन्द्र
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यू-युवराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	02:39:24	318:00:58	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			कर्क	14:09:06	00:57:23	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	28:48:33	12:22:01	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	नीच राशि
मंगल			वृश्चि	22:06:27	00:09:10	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	स्वराशि
बुध		अ	कर्क	07:39:43	02:05:13	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	10:02:51	00:12:30	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	04:34:59	01:08:41	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
शनि			वृष	18:15:49	00:05:27	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
राहु			मिथु	12:15:30	00:01:12	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु			धनु	12:15:30	00:01:12	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	29:35:28	00:02:17	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप	व		मक	13:29:16	00:01:38	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	18:48:39	00:00:44	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			मिथु	02:30:45	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:29

लग्न-चलित

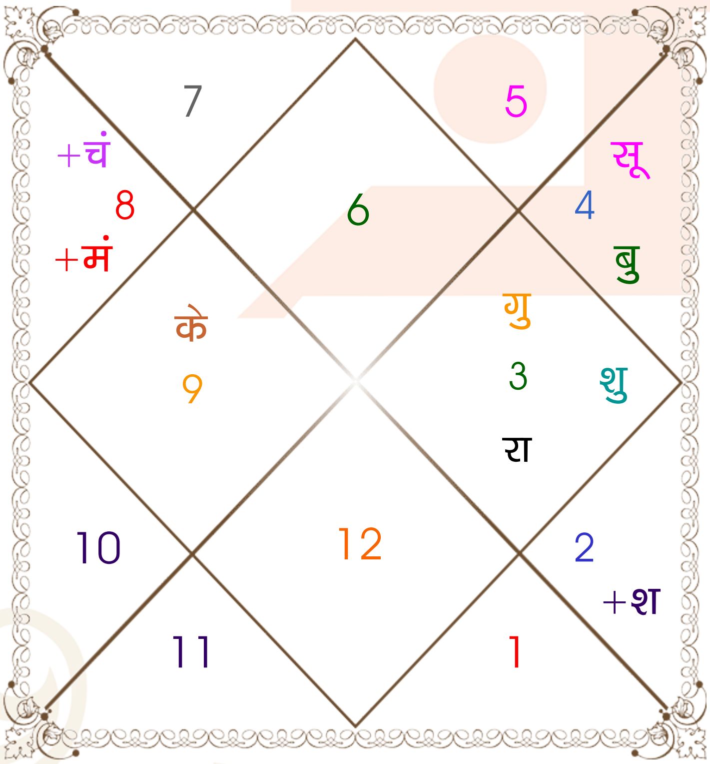

चन्द्र कुंडली

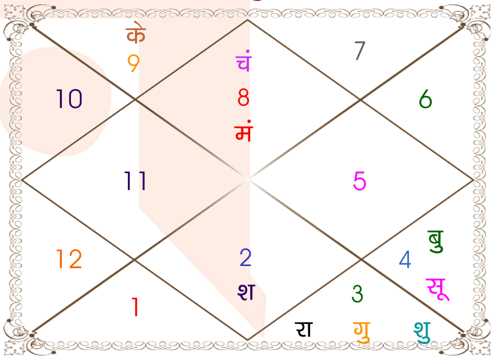

नवमांश कुंडली

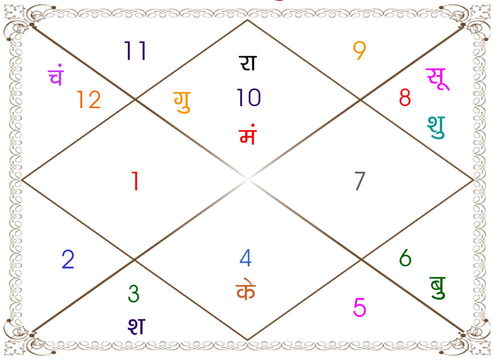

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 1 वर्ष 6 मास 6 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
31/07/2001	**05/02/2003**	**05/02/2010**	**05/02/2030**	**06/02/2036**
05/02/2003	**05/02/2010**	**05/02/2030**	**06/02/2036**	**05/02/2046**
00/00/0000	केतु 05/07/2003	शुक्र 07/06/2013	सूर्य 26/05/2030	चंद्र 06/12/2036
00/00/0000	शुक्र 03/09/2004	सूर्य 07/06/2014	चंद्र 24/11/2030	मंगल 07/07/2037
00/00/0000	सूर्य 09/01/2005	चंद्र 06/02/2016	मंगल 01/04/2031	राहु 06/01/2039
00/00/0000	चंद्र 10/08/2005	मंगल 07/04/2017	राहु 24/02/2032	गुरु 07/05/2040
00/00/0000	मंगल 06/01/2006	राहु 07/04/2020	गुरु 12/12/2032	शनि 06/12/2041
00/00/0000	राहु 24/01/2007	गुरु 07/12/2022	शनि 24/11/2033	बुध 08/05/2043
00/00/0000	गुरु 31/12/2007	शनि 05/02/2026	बुध 01/10/2034	केतु 07/12/2043
31/07/2001	शनि 08/02/2009	बुध 06/12/2028	केतु 05/02/2035	शुक्र 07/08/2045
शनि 05/02/2003	बुध 05/02/2010	केतु 05/02/2030	शुक्र 06/02/2036	सूर्य 05/02/2046

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
05/02/2046	**05/02/2053**	**05/02/2071**	**05/02/2087**	**06/02/2106**
05/02/2053	**05/02/2071**	**05/02/2087**	**06/02/2106**	**01/08/2121**
मंगल 04/07/2046	राहु 19/10/2055	गुरु 26/03/2073	शनि 08/02/2090	बुध 05/07/2108
राहु 23/07/2047	गुरु 14/03/2058	शनि 07/10/2075	बुध 18/10/2092	केतु 02/07/2109
गुरु 28/06/2048	शनि 18/01/2061	बुध 12/01/2078	केतु 27/11/2093	शुक्र 02/05/2112
शनि 07/08/2049	बुध 07/08/2063	केतु 19/12/2078	शुक्र 27/01/2097	सूर्य 08/03/2113
बुध 04/08/2050	केतु 25/08/2064	शुक्र 19/08/2081	सूर्य 09/01/2098	चंद्र 08/08/2114
केतु 31/12/2050	शुक्र 25/08/2067	सूर्य 07/06/2082	चंद्र 10/08/2099	मंगल 05/08/2115
शुक्र 01/03/2052	सूर्य 19/07/2068	चंद्र 07/10/2083	मंगल 19/09/2100	राहु 21/02/2118
सूर्य 07/07/2052	चंद्र 18/01/2070	मंगल 12/09/2084	राहु 27/07/2103	गुरु 29/05/2120
चंद्र 05/02/2053	मंगल 05/02/2071	राहु 05/02/2087	गुरु 06/02/2106	शनि 01/08/2121

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 1 वर्ष 6 मा 11 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरुष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरुद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।